



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

5/6/72

सं० 20]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 13, 1972/वैशाख 23, 1894

No. 20]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 13, 1972/VAISAKHA 23, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

## PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये विधिक नियम और आदेश

### Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 17th April 1972

**S.R.O. 128.**—In pursuance of sub-rule (1) of rule 11 of the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968, the Central Government, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Armed Forces Headquarters Civil Service Assistant Civilian Staff Officers' Grade (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1970, namely:—

1. (1) These Regulations may be called the Armed Forces Headquarters Civil Service Assistant Civilian Staff Officers' Grade (Appointment by Competitive Examination) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Armed Forces Headquarters Civil Service Assistant Civilian Staff Officers' Grade (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1970, for sub-regulation (5) of regulation 8, the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(5) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the

deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination:

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by Government.”

[File No. 94455/71/CAO(DPC).]

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1972

का० नि० प्रा० 128.—सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के उपनियम (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा आयोग के साथ परामर्श करके, सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा सहायक सिविलियन कर्मचारि-वृन्द अधिकारी श्रेणी (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम,

1970 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम एतद्द्वारा बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम मणस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा सहायक सिविलियन कर्मचारिवृन्दि अधिकारी श्रेणी (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) (संशोधन) विनियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. मणस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा सहायक सिविलियन कर्मचारी वृन्दि अधिकारी श्रेणी (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1970 में विनियम 8 के उपविनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(5) जहां तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या माधारण मानक के आधार पर नहीं भरी जा सकती, वहां तक आयोग किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों की सेवा में नियुक्ति के लिए इन अभ्यर्थियों की योग्यता के अधीन रहते हुए, परीक्षा में गुणागुण के क्रम में उनकी पंक्तियों को विचार में लाए बिना, शिथिल किए गए मानक द्वारा आरक्षित कोटे में कमी को पूरा करने के लिए सिफारिश कर सकेगा :

परन्तु यदि सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियां भरने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध न हो तो, न भरी गई रिक्तियां सरकार द्वारा विहित रीति में भरी जाएंगी।”

[फा० सं० 94455/71/सी ए ओ (डीपीसी)]

**S.R.O. 129.**—In pursuance of sub-rule (1) of rule 11 of the Armed Forces Headquarters Civil Service Rules, 1968, the Central Government, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Armed Forces Headquarters Civil Service Assistants' Grade (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1970, namely:—

1. (1) These Regulations may be called the Armed Forces Headquarters Civil Service Assistants' Grade (Appointment by Competitive Examination) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Armed Forces Headquarters Civil Service Assistants' Grade (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1970, for sub-regulation (5) of regulations 8, the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(5) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes of the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to

the fitness of these candidates for appointment to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination:

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by Government.”.

[File No. 94455/71 CAO(DPC).]

A. K. MENON, Dy. Secy.

**आ० ति० आ 129.**—मणस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के उपनियम (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा आयोग के साथ परामर्श करके, मणस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा सहायक श्रेणी (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1970 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम एतद्द्वारा बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम मणस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा सहायक श्रेणी (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) (संशोधन) विनियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. मणस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा सहायक श्रेणी (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1970 में विनियम 8 के उपविनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(5) जहां तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या माधारण मानक के आधार पर नहीं भरी जा सकती, वहां तक आयोग किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों की सेवा में नियुक्ति के लिए इन अभ्यर्थियों की योग्यता के अधीन रहते हुए, परीक्षा में गुणागुण के क्रम में उनकी पंक्तियों को विचार में लाए बिना, शिथिल किए गए मानक द्वारा आरक्षित कोटे में कमी को पूरा करने के लिए सिफारिश कर सकेगा :

परन्तु यदि सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियां भरने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध न हो तो, न भरी गई रिक्तियां सरकार द्वारा विहित रीति में भरी जाएंगी।”

[फा सं० 94455/71/सी ए ओ (डीपीसी)]

र० के० मेनन,

उप सचिव, और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी।

New Delhi, the 24th April 1972

**S.R.O. 130.**—In exercise of the powers conferred by Section 8 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby prescribes the Commander, Mike Force, an officer commanding a military organisation which, in the opinion of the Central Government is not less than a brigade, as the officer by whom the powers, which under the said Act may be exercised by an officer commanding a brigade, shall, as regards persons subject to the said Act who are serving under him, be exercised.

[File No. 41776/PS1/2808/D(AG-1).]

K. V. RAMANAMURTHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1972

का० नि० आ० 130.—सेना अधिनियम, 1950 (1950 का 46) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, माईक फोर्स के कमाण्डर को, जो ऐसे सैनिक संगठन का कमान आफिसर है जो केन्द्रीय सरकार की राय में ब्रिगेड से कम नहीं है, ऐसे आफिसर के रूप में एतद्द्वारा द्विजित करती है, जिसके द्वारा वे शक्तियाँ, जो उक्त अधिनियम के अर्धिनियम के कमान आफिसर द्वारा प्रयुक्त की जा सकेंगी, उक्त अधिनियम के अध्याधीन व्यक्तियों के बारे में, जो उनके अधीन सेवा कर रहे हैं, प्रयुक्त की जाएंगी।

[फा० सं० 41776/पीएस/2808/डी(ए जी-1)]

का० वे० रमणमूर्ति, उप सचिव।

New Delhi, the 27th April 1972

**S.R.O. 131.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Defence Services) Rules, 1960, namely:—

1. (1) These Rules may be called the General Provident Fund (Defence Services Thirty third Amendment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In para 2 of Appendix 'A' to the General Provident Fund (Defence Services) Rules, 1960, after Serial No. 31, the following shall be inserted:—

"32. The Commandant, College of Combat."

[Case No. 76919/Org-4(Civ)(d)/2815/D(Civ-II).]

Min. of Fin.(Def.) u.o. No. 4205/PA of 1971.]

S. R. GURUSWAMY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1972

का० नि० आ० 131.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं) नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम साधारण भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं) तैत्तीसवां संशोधन नियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. साधारण भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं) नियम, 1960 के परिशिष्ट "क" के पैरा 2 में, क्रम संख्या 31 के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा :—

"32. कमाण्डेंट, संघर्ष (कम्बेट) महाविद्यालय"।

[फा० सं० 76919/ओ.आर.जी.4(मिवि) (डी)/2815/डी (सिवि-II)]

वित्त मंत्रालय (रक्षा) यु०ओ०सं० 4205/पी.ए.सं० 1971/

एस० आर० गुरुस्वामी, उप सचिव।

## ERRATA

New Delhi, the 20th April 1972

**S.R.O. 132.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 299, dated the 2nd August, 1971, published at page 728 of the Gazette of India, Pt. II—Section 3, dated the 14th August, 1971,—

(i) In the last line of the preamble, delete the letters "SRO"

(ii) In the Schedule, in the heading, for "Development" read "Benevolent".

[No. A/07474/1/AG/PS-8(BFANRO)/D(AG.I).]

K. V. RAMANAMURTHI, Dy. Secy

## शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1972

का० नि० आ० 132.—भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 4, तारीख 14 अगस्त, 1971 के पृष्ठ 728 पर प्रकाशित भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० आ० 299, तारीख 2 अगस्त, 1971 में—

(i) प्रस्तावना की पांचवीं लाइन में "का० नि० आ०" अक्षरों को हटा दें।

(ii) विद्यमान अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित करें—

अनुसूची

बेनेवोलेंट फण्ड आर्मी नान-रेग्यूलर

आफिसर की सम्पत्ति

बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली में बेनेवोलेंट फण्ड आर्मी नान-रेग्यूलर आफिसर के चालू खाते में निक्षिप्त आर्मी आफिसर बेनेवोलेंट फण्ड से 50,000 रु० का प्रतिसदेय नकद उधार।

[फा० सं० ए/07474/1/ए जी/पी एस/-8(बी एफ ए एन आर

ओ)/2236/डी०(ए०जी-1)]

का० वे० रमणमूर्ति, उप सचिव।

